ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

घर से गायब हो गईं

भावों की चिर सम्पदा, होती सदा अमोल ।
निष्ठुर मन के सामने, ये गठरी मत खोल ।।-1

जाने क्या हो किस घड़ी, किसको यह आभास ।
कहाँ राम को राजसुख , कहाँ विषम वनवास ।।-2

जिनका सरल स्वभाव है, मिलता उन्हें दुलार ।
सागर सूखें प्रेम के, देख कुटिल व्यवहार ।।-3

बहती है जीवन नदी, अपने ही अनुसार ।
युक्ति,कुशलता, संतुलन, सहज कराते पार ।।-4

तुच्छ हुए सम्बन्ध अब, सब धन के आधीन ।
भावों को तीली दिखा, मानव हुआ मशीन ।।-5

अनुभव देकर उम्र ने, ऐसा किया निहाल ।
एक मौन के सामने, हारे सौ वाचाल ।।-6

करें भलाई लोक की, बना प्रेम को सत्व ।
जो परहित में विष पिये, पाता वही शिवत्व ।।-7

सुघड़,सुभग,मनमोहिनी, मतवारे से नैन ।
मनुज,देव,योगी,असुर, कौन नहीं बेचैन ।।-8

लोगों का धन सम्पदा, मेरा धन है प्यार ।
मैं जीवनधन खोजता, वे ढूढ़ें संसार ।।-9

कर्म बिना जीवन वृथा, शुभ कर्मों से सार्थ ।
लिखता आया भाग्य को, मानव का पुरुषार्थ ।।-10

टाँग दिये दीवार पर,खग-मृग,राँझा-हीर ।
घर से गायब हो गयीं, पुरखों की तस्वीर ।।-11

मन-कागज पर नेह के, लिखे गये अनुबंध ।
यत्र तत्र सर्वत्र ही, फैली प्रेम - सुगंध ।।-12

त्रिलोक सिंह ठकुरेला

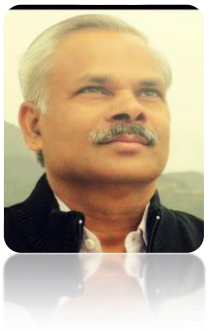

जन्म-तिथि ---- 01 - 10 - 1966

जन्म-स्थान ----- **नगला मिश्रिया (हाथरस)**

पिता ----- **श्री खमानी सिंह**

माता ---- **श्रीमती देवी**

प्रकाशित कृतियाँ ---

1 . **नया सवेरा (बाल साहित्य)**

2. **काव्यगंधा (कुण्डलिया संग्रह)**

3 . **समय की पगडंडियों पर (गीत संग्रह)**

4. **आनन्द मंजरी (मुकरी संग्रह)**

5. **सात रंग के घोड़े (बाल कविता संग्रह)**

सम्पादन ---

1. **आधुनिक हिंदी लघुकथाएँ**

2. **कुण्डलिया छंद के सात हस्ताक्षर एवं अन्य पुस्तकें**

सम्मान / पुरस्कार ---

राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा 'शम्भूदयाल सक्सेना बाल साहित्य पुरस्कार ' तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी (राजस्थान) द्वारा 'बाल साहित्य सर्जक सम्मान सहित अनेक साहित्यिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित ।

प्रसारण - आकाशवाणी और रेडियो मधुवन से रचनाओं का प्रसारण

पाठ्यक्रम में --- महाराष्ट्र राज्य की दसवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक 'हिंदी कुमारभारती ' सहित लगभग दो दर्जन पाठ्यपुस्तकों में रचनाएँ सम्मिलित ।

अनुवाद-- अनेक रचनाओं का पंजाबी में अनुवाद ।

विशिष्टता --- कुण्डलिया छंद के उन्नयन , विकास और पुनर्स्थापना हेतु कृतसंकल्प एवं समर्पित ।

सम्प्रति --- उत्तर पश्चिम रेलवे में इंजीनियर

चल-वार्ता -- 9460714267